DRAFT SYLLABUS FOR UNDERGRADUATE CBCS
B.A. GENERAL Programme under CBCS Scheme (Draft)

B.A. (GENERAL) HINDI,CORE COURSE (CC)

Academic Semesters	Discipline Core (DC)	Language core (LC1) Bengali/MIL	Language Core (LC2) English	Discipline Specific Elective (DSE)	Generic Elective (GE)	Ability Enhancement (AEC)	Skill Enhancement (SEC)	Credits	Marks
SEM-I	DC-1(A1) DC2(B1) (6=+6=12)	Bengali1/MIL (6)				ENVS(2)		20	200
SEM-II	DC-3(A2) DC4(B2) (6+6=12)	Bengali2MIL (6)				Communicative English/Bengali/MIL (2)		20	200
SEM-III	DC5(A3) DC6(B3) (6+6=12)		English1 (6)				SEC1(A1) (2)	20	200
SEM-IV	DC7(A4) DC8(B4) (6+6=12)		English2 (6)				SEC2(B1) (2)	20	200
SEM-V				DSE1(A1) DSE2(B1) (6+6=12)	GE1(6)		SEC3(A2) (2)	20	200
SEM-VI				DSE3(A1) DSE4(B1) (6+6=12)	GE2(6)		SEC4(B2) (2)	20	200
Total								120	1200

PAPER'S NAME	PAPER'S CODE
1. हिंदी साहित्य का इतिहास :	HINGCOR01T
2. मध्यकालीन हिंदी कविता :	HINGCOR02T
3. आधुनिक हिंदी कविता :	HINGCOR03T
4. हिंदी गद्य साहित्य :	HINGCOR04T

HINGCOR01T - हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास (06 क्रेडिट, , क्लास: 90)

इकाई - I आदिकाल

- हिंदी भाषा का विकास : सामान्य परिचय
- आदिकाल - काल विभाजन एवं नामकरण
- आदिकालीन साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियां

इकाई - II भक्तिकाल

- भक्ति आंदोलन : उद्भव और विकास
- भक्तिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

इकाई - III रीतिकाल

- रीतिकाल : नामकरण
- रीतिकालीन प्रमुख धाराएं एवं उनकी सामान्य प्रवृतियों क परिचय

इकाई - IV आधुनिक काल

- नवजागरण की अवधारणा
- आधुनिक हिंदी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
- उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध, आलोचना तथा अन्य गद्य रूप

सहायक ग्रंथ

1. हिंदी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य की भूमिका - हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. हिंदी भाषा - धीरेंद्र वर्मा
4. हिंदी साहित्य का इतिहास - सं. डॉ. नगेन्द्र
5. हिंदी साहित्य क अतीत ,भाग - १ ,२ विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

6. हिंदी साहित्य क आधा इतिहास - सुमन राजे
7. रीतिकाल की भुमिका - डॉ. नगेन्द्र
8. आधुनिक हिंदी साहित्य की प्रवृतियों- नामवर सिंह
9. छायावाद -नामवर सिंह
10. हिंदी साहित्य का आधुनिक इतिहास -बच्चन सिंह
11. हिंदी का गद्य साहित्य - रामचन्द्र तिवारी
12. हिंदी साहित्य कोश - भाग १,२
13. हिंदी गद्य : विन्यास और विकास - रामस्वरूपचतुर्वेदी
14. आधुनिक साहित्य - नन्द दुलारे बाजपेयी
15. आधुनिक साहित्य : बीसवीं शताब्दी - नन्द दुलारे बाजपेयी
16. अधुनिकताबोप्ध और आधुनिकीकरण - रमेश कुंतल मेघ
17. हिंदी साहित्य का आदिकाल - हजारी प्रसाद द्विवेदी
18. साहित्य का इतिहास दर्शन - नलिन विलोचन शर्मा
19. हिंदी साहित्य का इतिहास और उसकी समस्याएँ - योगेन्द्र प्रताप सिन्हा
20. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास- रामकुमार वर्मा

HINGCOR02T : मध्यकालीन हिंदी कविता (06 क्रेडिट, क्लास: 90)

इकाई - 1 (क) कबीर

कबीर ग्रंथावली (सं. - श्यामसुंदर दास)

i. कस्तुरीकुंडलिबसै
ii. सुखिया सब संसार है
iii .प्रेम न बारी उपजै
iv .जब मैं था तब हरी नहीं
v .जाति न पूछो साधू की

(ख) जायसी

(जायसीग्रंथावली, नागमति वियोग खंड, सं. रामचन्द्र शुक्ल)

i. नागमतीचितउर पथ हेरा
ii. पिउ - वियोग अस बाउरजीऊ
iii. पाट महादेइ !हिये न हारू
iv. चढ़ा असाढ़ गंगन घन गाजा
v. सावन बरसिमेहअतिवानी

इकाई - 2 (क) सूरदास

भ्रमरगीतसार (सं. रामचन्द्र शुक्ल)

i. अविगति गति कुछ क़हत न आवै
ii. जसोदा हरि पालनैझुलावै
iii. उद्धवधनितुम्हारो व्यवहार
iv. आयो घोष बड़ोव्योपारी
v. तेरोबुरो न कोउमानै

(ख) तुलसीदास

(विनय पत्रिका ,गीताप्रेस, गोरखपुर)

i. अवलौंनसानी,अब न नसहौं
ii. ऐसो कौन उदार जग माही
iii. जाऊँ कहाँ तजिचरनतिहारे
iv. देव तू दयालु दीन हौं तू दानिहौं भिखारी
v. ऐसे हरि करत दास पर प्रीति

इकाई - 3

(क) मीराबाई:मीरा का काव्य: विश्वनाथ त्रिपाठी

i. मैं तो साँवरे के रंग राची.....
ii. हेरी मैं तो प्रेम दिवानी, मेरोदरद न जाने कोय.....
iii. पग घूंघरू बाँध मीरा नाची रे.....
iv. आली रे म्हारेणण बाण पड़ी.....
v. पायोजीम्हें तो स्याम रतन धन पायो.....

(ख) रसखान :

रीति काव्य-संग्रह - जगदीश गुप्त

- मानुष हौं तो वही रसखानि
- या लकुटिअरुकामरिया पर
- धूर भरे अति सोभितस्याम जू
- सेसगनेसमहेसदिनेस
- लीनेअबीर भरे पिचका

इकाई -4 (क) बिहारी

बिहारी सतसई (सं. जगन्नाथ दास रत्नाकर)

i. या अनुरागी चित्त की गति समझैनहिं कोई
ii. जपमालाछापैं तिलक सरै न एकौकानु
iii. नहिंपरागुनहिं मधुर मधु नहिंबिकासुइहिं काल
iv. क़हतनटतरीझटखिझतमिलतखिलतलजियात
v. मेरी भव बाधा हरौ,राधा नागरि सोई

(ख) घनानन्द

घनानन्दकवित्त (सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र)

i. रावरे रूप की रीति अनूप नयोनयो लागत ज्यों ज्यों निहारिये
ii. अति सूधोसनेह को मारग है जहाँ नेकुसयानपबाँक नहीं
iii. जासों प्रीति ताहिनिठुराईसों निपट नेह
iv. हीन भएँ जल मीन अधीन कहा कछुमोअकुलानि समाने
v. नेह निधान सुजान समपितौसींचति ही हियरासिवराई

सहायक ग्रंथ

1. कबीर - हजारीप्रसाद्द्विवेदी
2. जायसी ग्रंथावली की भूमिका - रामचन्द्र शुक्ल
3. भ्रमरगीतसार की भूमिका - रामचन्द्र शुक्ल
4. त्रिवेणी - रामचन्द्र शुक्ल
5. जायसी - विजयदेवनारायणसाही
6. तुलसीदास - माताप्रसाद गुप्त
7. कबीर ग्रंथावली (सटीक) - रामकिशोर शर्मा
8. तुलसी काव्य में साहित्यिक अभिप्राय - जनार्दन उपाध्याय
9. जायसी : एक नयी दृष्टि - रघुवंश
10. कबीर मीमांसा - रामचन्द्र तिवारी
11. बिहारी की वाग्विभूति - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
12. बिहारी विभूति - राजकुमारी मिश्र
13. स्वच्छंद काव्यधारा और घनानन्द - मनोहर लाल गौड़
14. रीतिकाव्य की भूमिका - नगेन्द्र
15. रीतिकाव्य - जगदीश गुप्त
16. बिहारी का नया मूल्यांकन - बच्चन सिंह
17. रीतिकालीन कवियों की प्रेम व्यंजना - बच्चन सिंह
18. रसखान रत्नावली - राघव रघु

HINGCOR03T : आधुनिक हिंदी कविता (06 क्रेडिट, क्लास: 90)

इकाई 1 — (क) भारतेन्दु हरिश्चंद्र -भारतेन्दु संचयन (सं - रामजी यादव)

- नए जमाने की मुकरी

(ख) मैथिलीशरण गुप्त

- दोनों ओर प्रेम पलता है
- मनुष्यता

इकाई 2 — (क) जयशंकर प्रसाद:

- अरी वरुणा की शांत कछार,
- ले चल भुलावा देकर,
- अशोक की चिंता

(ख) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'-

- बादल राग-6,
- स्नेह निर्झर बह गया,
- मैं अकेला देखता हूं आ रही,

इकाई 3 – (क) सुभद्रा कुमारी चौहान

- ठुकरा दो या प्यार करो,
- वीरों का कैसा हो वसंत,
- झांसी की रानी की समाधि पर,

(ख) रामधारी सिंह दिनकर

- रश्मिरथी :तृतीयसर्ग

इकाई 4 – (क) नागार्जुन

- अकाल और उसके बाद
- मेरी भी आभा है इसमें
- शासन की बंदूक

(ख) सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'

- हिरोशिमा
- साँप
- यह दीप अकेला

सहायक ग्रंथ :

1. मैथिलीशरण गुप्त: पुनर्मूल्यांकन–डा. नगेंद्र
2. भारतेन्दु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण की समस्याएँ - रामविलास शर्मा
3. जयशंकर प्रसाद- नंददुलारे वाजपेयी
4. निराला आत्महंता आस्था- दूधनाथ सिंह
5. निराला की साहित्य साधना- रामविलास शर्मा
6. छायावाद: नामवर सिंह
7. त्रयी(प्रसाद, निराला और पंत)- आचार्य जानकीवल्लभ शास्त्री
8. मैथिलीशरण गुप्त: प्रासंगिकता के अंत:सूत्र- कृष्णदत्तपालीवाल
9. हिंदी स्वच्छंदतवादी काव्य धारा - प्रेमशंकर
10. सुभद्रा कुमारी चौहान - मंगला अनुज
11. रामधारी सिंह दिनकर - विजयेन्द्र नारायण सिंह
12. नागार्जुन का रचना संसार - बिजय बहादुर सिंह
13. अज्ञेय साहित्य : प्रयोग और मूल्यांकन - केदार शर्मा

HINGCOR04T : हिंदी गद्य साहित्य (06 क्रेडिट, क्लास: 90)

इकाई - I : उपन्यास - स्वरूप और संरचना

- गबन - प्रेमचंद

इकाई - II : कहानी - स्वरूप और संरचना

- परदा - यशपाल
- रोज - अज्ञेय
- मलबे का मालिक - मोहन राकेश
- कोशी का घटवार - शेखर जोशी
- अकेली - मन्नू भंडारी

इकाई - III : निबंध

- शिवशंभु के चिट्ठे बनाम लॉर्डकर्जन - बालमुकुंद गुप्त
- साहित्य का उद्देश्य - प्रेमचंद

इकाई - IV : संस्मरण

- भक्तिन - महादेवी वर्मा
- अदम्य जीवन - रांगेय राघव

सहायक ग्रंथ

1. प्रेमचंद और उनका युग - रामविलास शर्मा

2. हिंदी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा - रामदरस मिश्र
3. कहानी : नई कहानी - नामवर सिंह
4. हिंदी कहानी : अंतरंग परिचय - रामदरस मिश्र
5. कुछ कहानियाँ : कुछ विचार - विश्वनाथ त्रिपाठी
6. हिंदी कहानी की रचना प्रक्रिया - परमानंद श्रीवास्तव
7. हिंदी का गद्य साहित्य - रामचन्द्र तिवारी
8. हिंदी गद्य का विन्यास और विकास - रामस्वरुपचतुर्वेदी
9. छायावादोत्तर गद्य साहित्य - विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
10. निबंधों की दुनिया - शिवपूजनसहाय ;निर्मला जैन

DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVE (DSE) (ANY FOUR)

PAPER'S NAME	PAPER'S CODE
1. कबीर :	HINGDSE01T
2. तुलसीदास :	HINGDSE02T
3. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला :	HINGDSE03T
4. प्रयोजनपरकहिंदी :	HINGDSE04T

HINGDSE01T : कबीर (06 क्रेडिट, क्लास: 90)

इकाई-1—गुरुदेव को अंग- 1,3,4,5,15,20,27,32,33,34 |
कस्तूरिया मृग को अंग- 1,4,5,8,9 |

इकाई-2—विरह को अंग - 2,3,4,6,11,12,18,20,24,45 |
सूरातन को अंग- 12,13,19,21,38 |

इकाई-3—पद - दुलहिनगावहु मंगलाचार (1)
राम बानअनियाले तीर (118)
है हरिजन थें चूक पारी (146)
वे दिन कब आवेंगेमाई (306)
लोका मति कैभोरा (402)

इकाई-4—पद- एक अचंभा देखया रे भाई (11)
संतो भाई आई ज्ञान की आंधी रे(16)
काहे री नलिनी तू कुमहिलानी (64)
अवधू ऐसा ज्ञान बिचारी (231)
पांडे कौन कुमति तोहिलागि

सहायक ग्रंथ

1. हिन्दी साहित्य के विविध इतिहास ग्रंथ
2. कबीर- हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. कबीर- विजयेन्द्र स्नातक
4. कबीर की विचारधारा - गोविंद त्रिगुणायत
5. निर्गुण काव्य में नारी- अनिल राय
6. नाथ और संत साहित्य - डॉ. नगेंद्र नाथ उपाध्याय
7. हिन्दी साहित्य में निर्गुण संप्रदाय - परशुराम चतुर्वेदी
8. हिन्दी संतों की उलटबांसी - डॉ. रमेशचन्द्र मिश्र

HINGDSE02T : तुलसीदास (06 क्रेडिट, क्लास: 90)

इकाई-1—अयोध्याकाण्ड (रामचरितमानस,गीता प्रेस)
-कृपासिन्धु बोले मुसकाई (101)
-सीता लखन सहित रघुराई (114)
-कोटी मनोज लजावन हारे (117)
-बेचहिंबेदूधरमुदुहिलेहिं (168)
-राजधरमसरबसुएतनोई (316)

इकाई-2—बालकांड (गीतवाली, गीता प्रेस)

-आज सुदिनसुभघरी सुहाई (1)
-ह्वैहौं लाल कबहिं बड़े बलि भैया (8)
-या सिसु के गुण नाम बड़ाई (16)
-राजती राम-जानकी जोरी (105)
-भूजनि पर जननी वारिफेरिडारी (109)

इकाई-3—विनयपत्रिका, गीता प्रेस

-ऐसी मूढ़ता या मन की (90)
-अब लौंनसानी अब न नसैहौं (105)
-केसव! कहि न जाइ का कहिये (111)
- ऐसे राम दीन हितकारी (166)
-कबहुँकहौं यही रहनी रहौंगौ (172)

इकाई-4—सुंदरकाण्ड (कवितावली, गीता प्रेस)

-बासव-बरुनबिधी बनते सुहावनों
-बालधिबिसालबिकराल, ज्वालजाल मानो
-जहां-तहां बुबुकबिलोकिबुबकारीदेत
-पावाकु, पवनु, पानी, भानु, हिमवान, जमु
- नगर कुबेर को सुमेरु की बराबरी

सहायक ग्रंथ

1. गोस्वामी तुलसीदास- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2. तुलसी-काव्य मीमांसा- उदयभानु सिंह
3. लोकवादी तुलसी- विश्वनाथ त्रिपाठी
4. तुलसी - वासुदेव प्रसाद सिंह
5. गोस्वामी तुलसीदास- रामजी तिवारी
6. भक्ति-आंदोलन और भक्तिकाव्य- शिवकुमार मिश्र
7. रामचरित पाठ, चित्रा और लीला- रमण सिंह

HINGDSE03T : सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' (06 क्रेडिट, क्लास: 90)

इकाई -

1 सखी बसंत आया
जूही की कली
जागो फिर एक बार-2

इकाई - 2

अधिवास
बादल राग - 1
भारती जय विजय करे

इकाई - 3

तोड़ती पत्थर
बाहर मैं कर दिया गया हूँ
स्नेह निर्झर बह गया
गहन है यह अंधकारा
इकाई - 4कथा साहित्य - बिल्लेसुरबकरिहा

सहायक ग्रंथ

1. राग-विराग - सं. रामविलास शर्मा
2. निराला –रामविलास शर्मा
3. निराला की साहित्य साधन (तीनों खंड) - रामविलास शर्मा
4. निराला एक आत्महंता आस्था - दूधनाथ सिंह
5. निराला की काव्य भाषा - रेखा खरे
6. निराला कवि छवि - नंदकिशोर नवल

HINGDSE04T : प्रयोजनपरक हिंदी (06 क्रेडिट, क्लास: 90)

इकाई-I

- प्रयोजनमूलकहिंदी : अवधारण और विविध क्षेत्र
- प्रयोजन मूलक हिंदी के सर्जनात्मक आयाम
- कार्यालयी हिंदी और उसकी प्रकृति

इकाई-II

- विविध संचार माध्यम : परिचय और कार्यविधि
- श्रव्य माध्यम :रेडियो
- श्रव्य-दृश्य माध्यम: टेलीविजन
- तकनीकी माध्यम : इंटरनेट
- मिश्र माध्यम : विज्ञापन
- समाचार पत्र

इकाई-III

- संचार माध्यमों की प्रकृति और चरित्र
- रेडियो लेखन: उदघोषणा,कार्यक्रम-संयोजन,संचार,धारावाहिक,फीचर रिपोर्ट,रेडियो नाटक,
- इंटरनेट: सामग्री-सृजन, संयोजन एवं सम्प्रेषण

इकाई- IV

- अनुवाद की परिभाषा,स्वरुप और महत्व
- अनुवाद के प्रकार

सहायक ग्रंथ

1. प्रयोजनमूलक हिंदी - डॉ. रधुनन्दन प्रसाद शर्मा
2. प्रयोजनमूलक हिंदी - दंगल झाल्टे
3. कार्यालय में हिंदी प्रयोग की दिशाएँ - सं. उषा शुक्ल
4. सरकारी कार्यालयों में हिंदी प्रयोग - गोपीनाथ श्रीवास्तव
5. प्रारूपण,टिप्पण,प्रूफ पठन - भोलानाथ तिवारी
6. प्रयोजनमूलक हिंदी - विनोद गोदरे
7. प्रशासनिक शब्दमालाएँ - शिवनारायणचतुर्वेदी

SKILL ENHANCEMENT COURSE (SEC)

PAPER'S NAME	PAPER'S CODE
1. कार्यालयीहिंदी :	HINSSEC01M
2. अनुवाद विज्ञान :	HINSSEC02M

HINSSEC01M : कार्यालयी हिंदी (02 क्रेडिट, क्लास: 30)

इकाई - 1हिंदी भाषा के विभिन्न रूप

- राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्कभाषाशिक्षण माध्यम
- भाषा, संचार भाषा, सर्जनात्मक भाषा, यांत्रिक भाषा

इकाई - 2 राजभाषा का स्वरूप

- संविधान में राजभाषा संबंधी विविध नियमों का सामान्य परिचय
- राजभाषा के रूप में हिंदी के समक्ष व्यावहारिक कठिनाइयाँ एवं संभावित समाधान

इकाई - 3 कार्यालयी हिंदी की शब्दावली

- पारिभाषिक शब्दावली
- पदनाम तथा अनुभाग के नाम

इकाई - 4कार्यालयी पत्राचार के विविध प्रकार

- कार्यालय से निर्गत पत्र (ज्ञापन, परिपत्र, अनुस्मारक, पृष्ठांकन, आदेश, सूचनाएं, निविदा आदि)
- टिप्पण, प्रारूपण, आलेखन, पल्लवन, संक्षेपण आदि

सहायक ग्रंथ

1. प्रयोजनमूलक हिंदी - माधव सोनटक्के
2. प्रयोजनमूलकहिंदी : सिद्धांत और प्रयोग - दंगल झाल्टे
3. प्रयोजनमूलक हिंदी - विनोद गोदरे
4. प्रारूपण, शासकीय पत्राचार और टिप्पण लेखन विधि - राजेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव

5. प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिंदी - कृष्ण कुमार गोस्वामी
6. प्रयोजनमूलक हिंदी की नयी भूमिका - कैलाश नाथ पांडेय

HINSSEC02M : अनुवाद विज्ञान (02 क्रेडिट, क्लास: 30)

इकाई-I

- अनुवाद का अर्थ स्वरूप और प्रकृति
- अनुवाद कार्य की आवश्यकता और महत्व
- बहुभाषी समाज में परिवर्तन तथा बौद्धिक -सांस्कृतिक आदान-प्रदान में अनुवाद कार्य की भूमिका

इकाई-II

- अनुवाद के प्रकार: शाब्दिक अनुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद एवं सारानुवाद
- अनुवाद प्रक्रिया - विश्लेषण, अंतरण एवं पूनर्गठन
- अनुवाद की भूमिका के तीन पक्ष- पाठक की भूमिका (अर्थग्रहण की),द्विभाषिक की भूमिका (अर्थांतरण की भूमिका) एवं रचयिता की भूमिका (अर्थ सम्प्रेषण की भूमिका)

इकाई-III

- सर्जनात्मक साहित्य के अनुवाद की अपेक्षाएं
- सर्जनात्मक साहित्य के अनुवाद और तकनिकी अनुवाद में अंतर
- गद्यानुवाद और एवं काव्यानुवाद में संरचनात्मक भेद

इकाई- IV

- कार्यालयीअनुवाद : राजभाषा की नीति की अनुपालन में धारा 3(3) के अंतर्गत निर्धारित दस्तावेज के अनुवाद बैंक एवं रेलवे में प्रयुक्त होने वाले प्रमुख पारिभाषिक शब्दावली
- प्रमुख वाक्यांश के अंग्रेजी और हिंदी रूप

सहायक ग्रंथ

1. अनुवाद के भाषिक सिद्धांत -अनुवाद - डॉ. रविशंकर दीक्षित
2. अनुवाद के सिद्धांत - अनुवाद-डॉ. जे. एल.रेड्डी
3. अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग - गोपीनाथन जी
4. अनुवाद विज्ञान:सिद्धांत और अनुप्रयोग - सं. नगेन्द्र
5. अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा - सुरेश कुमार
6. अनुवाद की समस्याएँ- भोलानाथ तिवारी

LA Courses

PAPER'S NAME	PAPER'S CODE
1. हिंदी भाषा और साहित्य :	HINLCOR01T
2. हिंदी गद्य: उद्भव और विकास :	HINLCOR02T

HINLCOR01T :हिंदी भाषा और साहित्य (MIL) (06 क्रेडिट, क्लास: 90)

इकाई - 1 हिंदी भाषा और साहित्य

- आधुनिक भारतीय भाषाओं का सामान्य परिचय
- हिंदी का उद्भव : सामान्य परिचय
- हिंदी साहित्य का इतिहास : संक्षिप्त परिचय (आदिकाल, मध्यकाल)
- हिंदी साहित्य का इतिहास : संक्षिप्त परिचय (आधुनिक काल)

इकाई - 2 भक्तिकालीन कविता

(क) कबीर -

- पोथी पढ़िपढ़ि जग मुआ ...
- कस्तुरीकुंडलि बसे....
- यह तन बिस की बेलरी....
- सात समुंद की मसि करूँ....
- साधू ऐसा चाहिए...
- सतगुरु हमसू रीझकर...

(ख) सूरदास -

- मैया मैं नहीं माखन खायो...

- उधो मन न भए दस बीस...

इकाई - 3 रीतिकालीन कविता

(क) बिहारी

- मेरी भाव बाधा हरो...
- कनक कनकते सौ गुनी...
- क़हतनटतरीझत....
- या अनुरागी चित्त की...

SS(ख) भूषण

- इंद्र जिमिजंभ पर....
- साजिचतरंगसैन...

इकाई - 4आधुनिक कविता

- मैथिलीशरण गुप्त - नर हो न निराश करो मन ...
- निराला - वर दे वीणावादिनी ....

सहायक ग्रंथ

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास - रामचंद्र शुक्ल
2. कबीर - हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. त्रिवेणी - रामचंद्र शुक्ल
4. बिहारी की वाग्विभूति - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
5. निराला - रामविलास शर्मा

HINLCOR02T : हिंदी गद्य साहित्य (MIL) (06 क्रेडिट, क्लास: 90)

इकाई - 1

- हिंदी गद्य का उद्भव और विकास
- हिंदी गद्य रूपों का सामान्य परिचय

इकाई - 2

- प्रेमचंद - बूढ़ी काकी
- प्रसाद - गुंडा
- चंद्रधर शर्मा गुलेरी - सुखमय जीवन

इकाई - 3

- बालमुकुंद गुप्त - मेले का ऊंट
- भारतेंदु - इंग्लैंड और भारतवर्ष
- हरिशंकरपरसाई - ठिठुरता हुआ गणतंत्र

इकाई - 4

- भारतेंदु हरिश्चंद्र - भारत दुर्दशा
- महादेवी वर्मा - बिबिया

सहायक ग्रंथ

1. . हिंदी का गद्य तिवारी - रामचंद्र तिवारी
2.. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास - बच्चन सिंह
3. निबंधों की दुनिया - शिवपूजन सहाय, निर्मला जैन
4.. निबंधों की दुनिया - विजयदेवनारायणसाही, निर्मला जैन
5. हिंदी रेखाचित्र - हरबंसलाल शर्मा
6.. छायावादोत्तर हिंदी गद्य साहित्य - विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

ABILITY ENHANCEMENT COMPULSORY COURSES (AECC) MIL COMMUNICATION

PAPER'S NAME	PAPER'S CODE
1. हिंदी संप्रेषण (MIL Communication) :	HINSAEC01M

HINSAEC01M : हिंदी संप्रेषण (02 क्रेडिट, क्लास: 30)

इकाई-1

ध्वनि और वर्ण, शब्दों की व्याकरणिक कोटियाँ (संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया की परिभाषा एवं भेद), शब्द निर्माण (उपसर्ग, प्रत्यय, संधि और समास का सामान्य परिचय)

इकाई-2

शब्द और पद में अंतर, विकारी शब्दों की रूप-रचना (संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया), अविकारी शब्द (अव्यय), वाक्य की परिभाषा और अंग, वाक्य के भेद (रचना एवं अर्थ के आधार पर), वाक्य संरचना (पदक्रम, अन्विति और विराम-चिह्न)

इकाई-3

भाषिक संप्रेषण-स्वरूप और सिद्धांत, संप्रेषण की अवधारणा और महत्त्व, संप्रेषण प्रक्रिया, संप्रेषण की चुनौतियाँ, संप्रेषण के प्रकार (मौखिक और लिखित, वैयक्तिक और सामाजिक, व्यावसायिक) संप्रेषण की बाधाएँ

इकाई-4

संप्रेषण के माध्यम-एकालाप, संवाद, सामूहिक चर्चा, प्रभावी संप्रेषण, पढ़ना और समझना, सार और अन्वय, विश्लेषण और व्याख्या

सहायक ग्रंथः

1. भारतीय पुरालिपि- डॉ. राजबलि पांडेय
2. भाषा और समाज- रामविलास शर्मा
3. हिंदी भाषा का उद्‌गम और विकास- उदयनारायण तिवारी
4. हिंदी भाषाः संरचना के विविध आयाम- रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
5. हिंदी व्याकरण- कामताप्रसाद गुरु
6. हिंदी शब्दानुशासन -किशोरीदास वाजपेयी
7. हिंदी भाषा की संरचना- भोलानाथ तिवारी
8. संप्रेषण-परकव्याकरणःसिद्धान्त और स्वरूप- सुरेश कुमार
9. प्रयोग और प्रयोग - वी.आर. जगन्नाथ
10. भाषाई अस्मिता और हिंदी -रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
11. रचना का सरोकार- विश्वनाथ प्रसाद तिवारी